The Times of India- 24- March-2023

Be pro-active, fix SYL row, Centre told

AmitAnand.Choudhary
@timesgroup.com

New Delhi: As the dispute between Punjab and Haryana over the Sutlej-Yamuna Link (SYL) canal project has been lingering for decades with no sight of resolution, the Supreme Court on Thursday appealed to both states not to be rigid and adopt a 'give-and-take' approach to resolve the issue and come out with a solution.

A bench of Justices Sanjay Kishan Kaul, Ahsanuddin Amanullah and Aravind Kumar also appealed to the Centre to be pro-active and play the role of a mediator in resolving the dispute between the two neighbouring states. It said the Centre is the final arbiter in matters relating to inter-state water disputes and the government should not be a mute spectator.

"We expect the states to sit together to find a way forward. We call upon the states to hold meetings more frequently and at the level of the highest political dispensation so that there is some progress in the discussion," the bench said. "The Centre is the final arbiter in such a dispute. Why do not you play a more active role and not remain a mute spectator. These are very complex issues," the bench told attorney general K Venkataramani and posted the case for hearing in October.

Hindustan Times- 24- March-2023

Water supply from Ganga canal hit as DJB warns of tough days ahead

Paras Singh
paras@hindustantimes.com

NEW DELHI: The ongoing water crisis in Delhi spread to the eastern and northeastern parts of the city on Thursday with the supply from Upper Ganga Canal — a vital source of water to Delhi, apart from the Yamuna — getting disrupted, according to an advisory by the Delhi Jal Board (DJB).

Water from the Upper Ganga Canal accounts for 26.5% of the daily water needs of the national capital, and feeds two water treatment plants of the DJB, Sonia Vihar and Bhagirathi, which cater to areas in east, and north-east Delhi, and some colonies in south Delhi. According to the DJB advisory, water will be available at low pressure in areas such as Vivek Vihar, Karkardooma, Laxmi Nagar, Shakarpur and Patparganj in east Delhi; Seelampur, Shastri Park, Brahampuri and Gandhinagar in north-east Delhi; and Lodhi Road, Kaka Nagar, Greater Kailash, South Extension and Vasant Kunj in south Delhi.

Several areas in north, central and south Delhi were already facing water supply issues due to low levels of water in the Yamuna as well as higher ammonia content in the river water leading to inadequate treatment and production of water at the Chandrawal and Wazirabad plants.

DJB treats water at nine plants across Delhi. These facilities are fed raw water mainly through the Yamuna and the Ganga. Yamuna's water primarily reaches Delhi from Haryana through Munak Canal, Carrier Lined Channel and Delhi Subbranch canal while the Upper Ganga Canal brings Ganga water to Delhi through Murad Nagar in Uttar Pradesh's Ghaziabad district.

Every year, the Delhi government complains about the low quantum of water being released by Haryana upstream, as well as presence of industrial pollutants in the raw water coming from the drains of the Panipat industrial area. Haryana has repeatedly denied these allegations and has maintained that the Capital is getting more than its legitimate share of water. While the water supply from the Yamuna fluctuates every few months, disruptions from the Upper Ganga Canal are less frequent — usually when the canal is being repaired or desilting operations are being carried out.

Rajesh Panwar, chairman, Federation of Vasant Kunj RWAs, said, "We are located at the tail-end of the water supply lines coming from Sonia Vihar water treatment plant and we are the first one to be impacted in any crisis. The water reservoir located in the Bl area of Vasant Kunj is not getting replenished due to which the supply to other pockets fed by this reservoir is also getting impacted. Parts of D and B block are affected. We hope the problem is rectified soon."

BS Vohra, who heads the East Delhi RWA joint front, said, "Water from external sources are beyond our control so we must think of innovative ways to conserve water. Sustained efforts are required to conserve rainwater in monsoon and divert it to reservoirs. Has government provided any funds in the recent budget to prevent waterlogging and divert this water for storage?"

According to officials of the Uttar Pradesh Jal Nigam, the Upper Ganga Canal was shut around 4pm on March 21 from Haridwa to avoid the deposition of silt due to excess rainfall in upstream areas. "Farmers also don't need water, as it is harvesting time. So, this has reduced supply by about 50%. We expect the canal to resume operations in a week," said Unmesh Shukla, executive engineer, UP Jal Nigam, adding the canal is cleaned of silt every year.

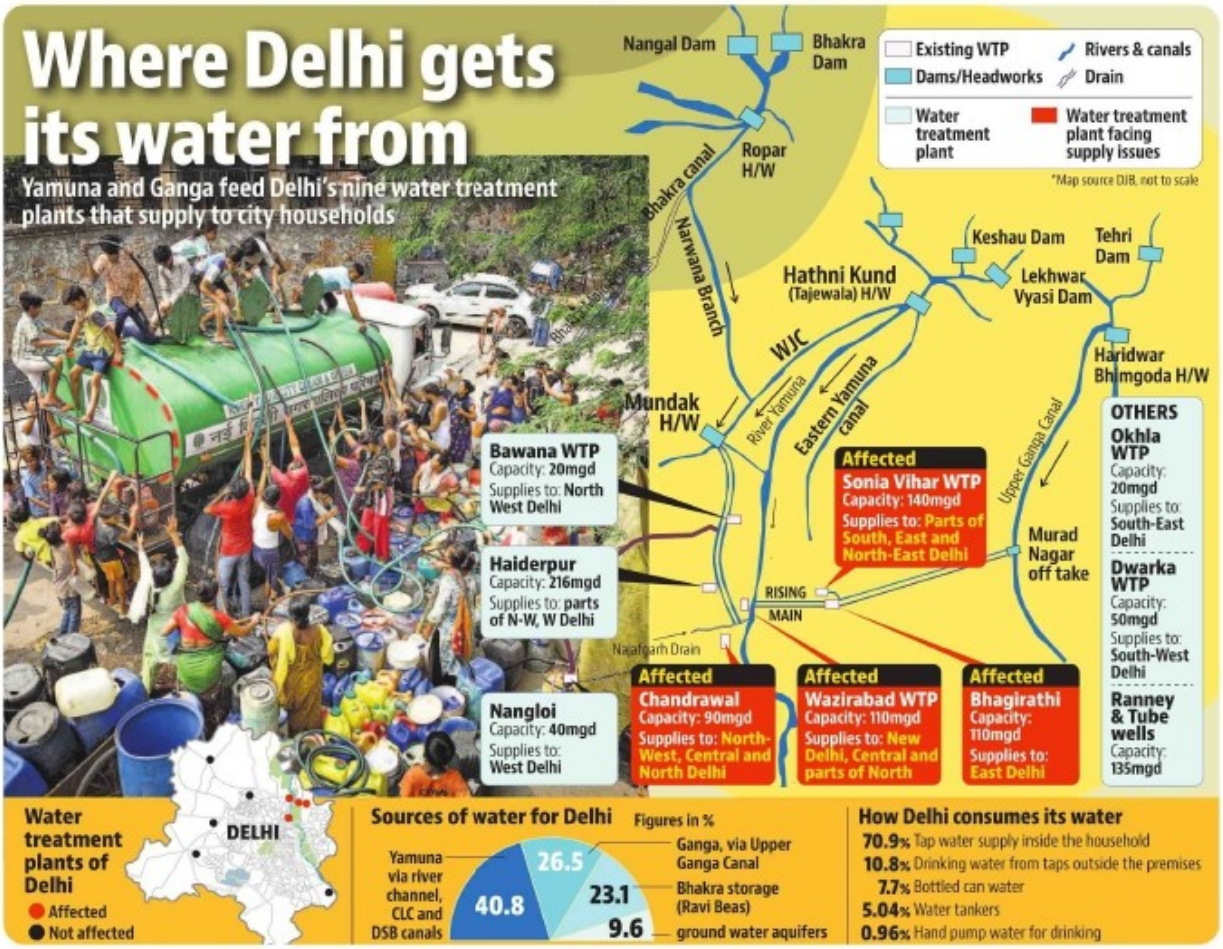

Amar Ujala- 24- March-2023

सिंधु, गंगा व ब्रह्मपुत्र में घट सकता है जल प्रवाह

ग्लोबल वार्मिंग : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने चेताया-आगामी दशकों में घटेंगे ग्लेशियर व बर्फ की चादरें

नई दिल्ली। विश्व निकाय प्रमुख एंतोनियो गुटेरस ने चेतावनी दी है कि भारत के लिए बेहद अहमसिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख हिमालयी नदियों के प्रवाह में कमी देखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण आने वाले दशकों में ग्लेशियर व बर्फ की चादरें कम हो जाएंगी। दुनिया के 10% हिस्से में हिमनद हैं, जो विश्व के लिए एक बड़ा जल स्रोत भी हैं।

'इंटरनेशनल ईयर ऑफ ग्लेशियर प्रिजर्वेशन' पर एक कार्यक्रम में गुटेरस ने पृथ्वी पर जीवन के लिए हिमनदों को जरूरी बताते हुए चिंता जताई कि मानव गतिविधियां ग्रह के तापमान को खतरनाक नए स्तरों तक ले जा रही हैं। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे आने वाले दशकों में हिमनद और बर्फ की चादरें घटेंगी, वैसे-वैसे सिंधु, गंगा व ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों में जल प्रवाह कम होगा। ब्यूरो

एक दशक के कार्यों की मध्यावधि समीक्षा

जल सम्मेलन में औपचारिक रूप से जल व स्वच्छता पर कार्रवाई के लिए संयुक्त राष्ट्र के एक दशक (2018-2028) में किए जाने वाले कार्यों की मध्यावधि समीक्षा की गई। ताजिकिस्तान और नीदरलैंड की मेजबानी में यह सम्मेलन अभी जारी है। सम्मेलन में जो भी निकलकर आएगा, उसे सतत विकास पर संयुक्त राष्ट्र के उच्च-स्तरीय राजनीतिक मंच के 2023 सत्र में शामिल किया जाएगा।

अंटार्कटिका में हर साल घट रही बर्फ

अंटार्कटिका में हर साल औसतन 150 अरब टन बर्फ घट रही है, जबकि ग्रीनलैंड की बर्फ और भी हर साल 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है। एशिया की 10 प्रमुख नदियां हिमालय क्षेत्र से निकलती हैं, जो इसके जलसम्भर में रहने वाले 1.3 अरब लोगों को जल की आपूर्ति करती हैं, इसलिए इनका प्रवाह बना रहना जरूरी है।

पाकिस्तान के 24 शहरों में जल संकट

संयुक्त राष्ट्र में जारी विश्व जल रिपोर्ट 2023 में कहा गया है कि 2050 तक भारत में भीषण जल संकट होगा। पाकिस्तान और चीन में भी स्थिति खराब होगी। कई नदियों में बहाव की स्थिति भी कमजोर पड़ने से दुनिया की लगभग 1.7 से 2.40 अरब की शहरी आबादी पानी के संकट से जूझेगी।

Dainik Bhaskar- 24- March-2023

भास्कर Analysis • दुनिया के जलसंकट पर यूएन रिपोर्ट, भारत पर गंभीर असर

130 करोड़ लोगों को पानी देने वाली गंगा, सिंधु सहित 10 नदियों के सूखने का खतरा

सीएसई रिपोर्ट: पानी की औसत उपलब्धता 2031 में 1367 क्यू. मी. रह जाएगी

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली/न्यूयॉर्क

अमेरिका के न्यूयॉर्क में पांच दशकों के बाद ताजे पानी पर सम्मेलन हो रहा है। इसके पहले यूएन महासचिव एंटोनियो गुतेरेज ने दुनिया में पानी की स्थिति को लेकर रिपोर्ट जारी की जिसके अनुसार 2050 तक जलसंकट से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में भारत होगा। आने वाले दशकों में ग्लेशियरों और बर्फ पिघलने से भारत के लिए जीवनरेखा मानी जाने वाली गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों में पानी कम होता जाएगा। तीनों नदियों सहित एशिया में दस प्रमुख नदियां हिमालय क्षेत्र से ही निकलती हैं। ये अपने जलग्रहण क्षेत्र में 130 करोड़ लोगों को ताजा पानी उपलब्ध कराती हैं जिनमें उत्तर भारत की बड़ी आबादी शामिल है। पानी की समस्या से प्रभावित लोगों में से 80% एशिया में हैं, खासकर भारत, पाकिस्तान और चीन में। सीएसई की पर्यावरण स्थिति रिपोर्ट 2023 के मुताबिक देश में 2031 में पानी की प्रति व्यक्ति वार्षिक औसत उपलब्धता 1367 क्यूबिक मीटर रह जाएगी। यह 1950 में 3000-4000 थी जो लगातार घटती जा रही है। जहां पानी की उपलब्धता कम हो रही है वहीं पानी की खपत बढ़ रही है। सीएसई की रिपोर्ट का कहना है कि 2017 में पानी की जरूरत जहां 1100 अरब क्यू.मी. थी वो बढ़कर 2050 में 1447 क्यू.मी. हो जाएगी। खेती के लिए 200 क्यू.मी. अतिरिक्त पानी की जरूरत होगी। सीएसई रिपोर्ट के अनुसार गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदी प्रणाली का जलग्रहण क्षेत्र कुल नदी जलग्रहण क्षेत्र का 43% है। इनमें पानी कम होना देश में बड़ा जलसंकट पैदा कर सकता है। भारत में दुनिया की 17.74% आबादी है, जबकि उसके पास ताजा पानी के स्रोत केवल 4.5% ही हैं।

2500 किमी लंबी गंगा पर 40 करोड़ की आबादी निर्भर

गंगोत्री ग्लेशियर

2500 किमी लंबी गंगा देश की सबसे प्रमुख और पवित्र नदियों में है। कई राज्यों में करीब 40 करोड़ लोग इसपर निर्भर हैं। इसे पानी गंगोत्री ग्लेशियर से मिल रहा है। लेकिन 87 साल में 30 किलोमीटर लंबे ग्लेशियर से पौने दो किलोमीटर हिस्सा पिघल चुका है। भारतीय हिमालय क्षेत्र में 9575 ग्लेशियर हैं। जिसमें से 968 ग्लेशियर सिर्फ उत्तराखंड में हैं। ये खतरा भी है कि अगर तेजी से ग्लेशियर पिघले तो भारत सहित पाकिस्तान और चीन में बाढ़ की स्थिति भी आ सकती है।

2-3 अरब को साल में एक महीने पानी की किल्लत

दुनिया के 2 से 3 अरब लोग साल में एक महीने पानी की कमी का सामना करते हैं। 2050 तक दुनिया की आधी शहरी आबादी यानी करीब 1.7 अरब से 2.4 अरब लोग जलसंकट की चपेट में होंगे। 2016 में ऐसे 93 करोड़ यानी करीब एक-तिहाई शहरी आबादी थी। एडिटर रिचर्ड कोनूर ने कहा कि दो अरब लोग सुरक्षित पेयजल से वंचित हैं। 3.6 अरब लोगों को सफाई की सुविधा नहीं है।

Dainik Jagran- 24- March-2023

सतलुज यमुना लिंक नहर पर केंद्र निभाए अहम भूमिका : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह पंजाब और हरियाणा के बीच चले आ रहे दो दशक से भी पुराने सतलुज-यमुना लिंक नहर विवाद का समाधान निकालने के लिए मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए मूकदर्शक बने रहने के बजाय और सक्रियता दिखाए। सर्वोच्च अदालत ने साथ ही पंजाब और हरियाणा की सरकारों से भी कहा कि वह इस नदी जल बंटवारे के विवाद को सुलझाने के लिए आपस में चर्चा करें। संजय किशन कौल, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और अरविंद कुमार की पीठ ने गुरुवार को पंजाब और हरियाणा सरकार की दलीलें सुनने के बाद कहा कि वह दोनों राज्यों से उम्मीद करते हैं कि वह मिलजुलकर इसका हल निकालेंगे। प्राकृतिक संसाधनों को आपस में साझा किया जाना चाहिए। भारत सरकार को दोनों राज्यों के बीच खाई को पाटने के लिए अहम भूमिका निभाने की उम्मीद करते हैं। इससे पहले, पंजाब सरकार ने सुनवाई के दौरान सर्वोच्च अदालत को बताया कि राज्य में भीषण जल संकट है व नदी का पानी सूखते हुए तलछट की ओर बढ़ता जा रहा है।

Hindustan- 24- March-2023

चेतावनी | संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा, मानव गतिविधियां पृथ्वी के तापमान को खतरनाक स्तर तक ले जा रही है

सिंधु, गंगा-ब्रह्मपुत्र में जल प्रवाह कम होगा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। आने वाले दशकों में भारत की प्रमुख सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख नदियों में जल प्रवाह कम हो जाएगा, जिससे यहां जल संकट पैदा हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में ये दावा किया है।

इंटरनेशनल ईयर ऑफ ग्लेशियर प्रिजर्वेशन पर बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में गुतारेस ने कहा कि जीवन के लिए आवश्यक हिमनद दुनिया के 10 प्रतिशत हिस्से में हैं। ये विश्व के लिए जल का एक बड़ा स्रोत भी हैं।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि मानव गतिविधियां पृथ्वी के तापमान को खतरनाक स्तरों तक ले जा रही है और पिघलते हुए हिमनद बेहद खतरनाक हैं। जैसे-जैसे आने वाले

- संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में दावा किया गया
- पिघलते हुए हिमनद बेहद खतरनाक हैं

दशकों में हिमनद और बर्फ की चादरें घटेंगी, वैसे-वैसे सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख नदियों में इसका प्रभाव दिखेगा और उनका जल प्रवाह कम होता जाएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया पहले ही देख चुकी है कि कैसे हिमालय पर बर्फ के पिघलने से पाकिस्तान में बाढ़ की स्थिति बिगड़ गई है। वहीं समुद्र का बढ़ता स्तर और खारे पानी का प्रवेश इन विशाल डेल्टा के बड़े हिस्से को नष्ट कर देगा। यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र 2023 जल सम्मेलन के मौके पर आयोजित किया गया।

तेजी से पिघल रहे हैं ग्लेशियर

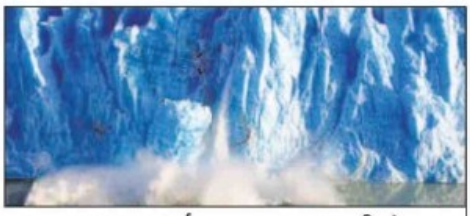

150 अरब टन बर्फ हर साल घट रही अंटार्कटिका की

270 अरब टन बर्फ पिघल रही हर साल ग्रीनलैंड की

10 प्रमुख नदियां एशिया की हिमालय से निकलती हैं

1.3 अरब लोगों को होती है इन नदियों से जलापूर्ति

05 देशों के जनजीवन पर असर डालेंगी ये नदियां

1900 के बाद से तेजी से बढ़ा समुद्र का जलस्तर

04 में से तीन प्राकृतिक आपदाएं पानी से जुड़ीं

26% आबादी दुनिया की साफ पेयजल से दूर